मासिक पत्रिका फरवरी 2021

"सब काम धर्मानुसार, अर्थात् सत्य और असत्य को विचार करके करना चाहिए।"-महर्षि दयानन्द सरस्वती

॥ ओ३म् ॥

आर्य समाज कैलाश-ग्रेटर कैलाश -1 (पंजी.)

ARYA SAMAJ KAILASH–GREATER KAILASH–I (Regd.) Regn. No. 3594/1968

New Delhi-110048 • Tel.: 46678389 • E-mail : samajarya@yahoo.in • Web.: www.aryasamajgk1.org

An ISO 9001:2015 Certified Institution

विजय लखनपाल	राजेन्द्र कुमार	विजय भाटिया
प्रधान	मंत्री	कोषाध्यक्ष

आर्य समाज ही महर्षि का स्मारक है

लेखक: पंण्डित लेखराम

पाँच हजार वर्ष से पहले आर्यधर्म सभायें या आर्यसमाजें पृथिवी पर सर्वत्र थी क्योंकि वेदों में आर्यधर्मसभा के स्थापित करने की शिक्षा है परन्तु समय आया जबकि लोग आर्य नाम के साथ आर्यसमाज को भूल गये। आज कैसा शुभ समय है कि महर्षि दयानंद के उपकार से मनुष्य अपने 'आर्य' नाम को प्राप्त कर आर्यसमाज का अस्तित्व देखता है। मुसलमान ईसाई, नास्तिक जैनी पौराणिक आदि किसी भी पुरुष के सामने आप आर्यसमाज का नाम कह दो, वह सुनते ही तत्काल आपको दयानन्द का नाम सुना देगा। यदि कोई अमरीका से कोलम्बस के नाम को पृथक नहीं कर सकता तो क्या कोई आर्यसमाज से उसके संस्थापक स्वामी दयानन्द के नाम को पृथक कर सकता है? यदि आर्यसमाज का नाम लेते हो स्वामी दयानन्द सरस्वती का स्मरण हो जाता है तो वास्तव में आर्यसमाज से बढ़कर कोई स्वामी जी का स्मारक नहीं हो सकता। जो वस्तु किसी के नाम को स्मरण करा सके वह उसका स्मारक समझी जाती है और इन अर्थों में आर्यसमाज से बढ़कर स्वामी दयानन्द का कोई स्मारक नहीं हो सकता।

वास्तविक स्मारक स्मरणीय के उद्देश्य का प्रचारक होता है-परन्तु यह नियम नहीं है कि जो चीज किसी के नाम का किसी प्रकार स्मरण करा सके वह उसका स्मारक समझी जाती है। प्रत्युत वास्तव में स्मारक वह है जो किसी महान आत्मा के उद्देश्य और सिद्धांत के प्रचार करने से उसका स्मरण करा सके। यह अभीष्ट नहीं है कि स्मारक से स्मरणीय का कोई साधारण काम ही स्मरण हो सके, अपितु स्मारक स्मरणीय के उस विशेष काम का प्रचारक समझा जाता है जिस काम को कोई (स्मरणीय) महापुरुष अपने जीवन में करता रहा हो। स्मारक वह होना चाहिये कि जो अपने उद्देश्य द्वारा उसका बोध करा सके जिस का वह स्मारक है। दूसरे शब्दों में स्मारक में उस महान् पुरुष का उद्देश्य पूर्ण होना चाहिये।

किसी महात्मा के उद्देश्य को पूर्ण करता हुआ कोई कार्यालय उस महात्मा का स्मारक कहला सकता है, अन्यथा कदापि नहीं। यह आवश्यक नहीं कि उस कार्यालय के साथ महात्मा का नाम भी हो। यदि नाम नहीं और उद्देश्य पूर्ण हो रहा है तो संसार निस्सन्देह उसको स्मारक कहता है कि जैसे कि आर्यसमाज। यद्यपि उसके साथ महर्षि दयानन्द का नाम नहीं लगा हुआ, परन्तु महर्षि के उद्देश्य को पूर्ण करने से उनका स्मारक बन रहा है। परन्तु दयानन्द प्रेस, दयानन्द हस्पताल, दयानन्द बाजार, दयानन्द स्कूल, दयानन्द साबुन और ऐसी ही असंख्य वस्तुयें जो महार्षि के उद्देश्य को पूर्ण नहीं कर सकती, कभी महर्षि का स्मारक कहलाने की अधिकारिणी नहीं हो सकती चाहे उनके साथ महर्षि का नाम क्यों न लगा हुआ हो।

स्थूलदर्शी पुरुषों ने संसार के इतिहास में स्थूल वस्तुयें स्मारक समझी हैं। जैसे मुसलमान लोग मदीने को अपने पूर्वजों का स्मारक समझते हैं। ईसाई लोग सलीब (सूली) के चिन्ह को अपने गुरु का स्मारक बतलाते हैं। बौद्ध लोग बुद्ध की मूर्ति को उसका स्मारक ठहराते हैं।

यदि मान भी लें कि कोई स्थूल पदार्थ किसी महात्मा का स्मारक हो सकता है तो यह स्मारक अत्यन्त थोड़ी प्रसन्नता और लाभ का देने वाला और उसके सामने वह स्मारक हो सकता है जिससे उसके उद्देश्य की पूर्ति हो तथा बहुत प्रसन्नता और महान

लाभ देने वाला सिद्ध होता है। उदाहरणार्थ दो मनुष्य स्वामी दयानन्द का स्मारक स्थापित करते हैं–एक तो चित्र बनाकर बेचता है और दूसरा लोगों के लिये गुरुकुल खोलकर ब्रह्मचर्याश्रम की नींव डालता है। यदि चित्र या फोटो लोगों को उनके स्मरण कराने से कोई लाभ पहुंचा सकता है तो यह लाभ उस लाभ के सामने जो कि गुरुकुल पहुंचा सकता है, बहुत ही तुच्छ समझना चाहिये। ध्यान से देखें तो महात्माजन अपनी आकृति, अपना नाम, अपना चित्र या अपने कुल को बड़ाई बेचने नहीं आते परन्तु वह श्रेष्ठ सिद्धांतों का प्रचार करते हुये अपने नाम तक की चिन्ता नहीं करते। वे चाहते हैं कि सच्चे, अखंड अटल नियमों की महिमा जानकर लोग आनन्द उठायें। इसलिये उनका सच्चा स्मारक वही कहला सकता है जो उन नियमों का या उनके उद्देश्य रूपी सिद्धांतों की महानता का लोगों को उनके समान ही बोध कराता रहे।

स्मारक और उद्देश्य–स्मारक किसी न किसी उद्देश्य की पूर्ति का साधन होता है. इसको हिन्दू पौराणिक लोग भी व्यावहारिक रूप में जानते हैं।

पंडित गुरुदत जी अपने व्याख्यानों में कहा करते थे कि 'ईंट–पत्थर पर किसी ऋषि का नाम खुदवा देने से ऋषि का स्मारक नहीं बन सकता, प्रत्युत यदि ऋषि का स्मारक स्थापित करना चाहते हो तो उन सिद्धांतों का प्रचार करके दिखाओ जिन सिद्धांतों का प्रचार स्वयं ऋषि करते रहे हैं। स्वामी दयानन्द का स्मारक यही है कि वेद के सिद्धांतों का संसार में प्रचार हो जाये'।

महर्षि के इस उद्देश्य को पूर्ण करने के लिये आर्य समाज का अस्तित्व है–इसलिये आर्य समाज के अतिरिक्त कोई भी अन्य उनका सच्चा स्मारक नहीं है। इस स्मारक की कीर्ति संसार भर में फैली हुई है। आर्य समाज की वृद्धि से वेदधर्म की उन्नति हो सकती है। कभी वह दिन भी आयेगा जबकि भूगोल के सब द्वीपों में आर्य समाज रूपी वृक्ष की शाखायें स्थापित होंगी। वह दिन आयेगा जबकि 'उपदेशक मंडली' की दृढ़ नींव स्थापित करने के लिये पुरुषार्थ करते हुये महर्षि की वसीयत को पूरा करने से ऋषिसन्तान कहलाने के अधिकारी हो सकेंगे। ■■

सौजन्य: महर्षि दयानन्द सरस्वती का जीवन चरित्र

'महर्षि दयानंद सरस्वती मार्ग' का नामकरण समारोह

महर्षि दयानंद सरस्वती मार्ग–जो सड़क पुराना पुलिस थाना, ग्रेटर कैलाश–1 के सामने से शुरू होकर कैलाश कॉलोनी मार्किट गोल चक्कर तक जाती है उसका नाम "**महर्षि दयानंद सरस्वती मार्ग**" रखा गया है। नामकरण दिनांक 24 फरवरी 2021 को एक समारोह में संपन्न हुआ, इस समारोह में **श्रीमती मीनाक्षी लेखी**, सांसद नई दिल्ली क्षेत्र तथा **श्रीमती शिखा राय**, पूर्व अध्यक्षा स्थाई समिति दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के कर कमलों द्वारा हुआ। समारोह में दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री श्री विनय आर्य, टंकारा ट्रस्ट एवं डी.ए.वी. मैनेजिंग कमेटी के मंत्री श्री अजय साहगल तथा इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ योग एंड नेचुरोपैथी के निदेकशक, श्री नितिन्जय चौधरी भी उपस्थित हुए। प्रधान–श्री विजय लखनपाल ने सभा में उपस्थित सदस्यों को बताया कि इसका श्रेय श्रीमती मीनाक्षी लेखी तथा श्रीमती शिखा राय को जाता है। इसके अतिरिक्त GKRA व अन्य RWA's का सहयोग भी मिला।

महर्षि दयानन्द के समय वेदों का केवल पाठ रह गया था–महर्षि दयानन्द ने स्वयं वेदों को समझा और पाखंडियों का खंडन किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने कई क्रांतिकारी विचार रखे जैसे समाज की रचना जन्म के आधार पर ना होकर कर्म के आधार पर होनी चाहिए–महिलाओं को वेद पढ़ने से वंचित किया गया था– इसका भी उन्होंने खंडन किया। अपने नवीन विचारों से उन्होंने तत्कालीन समाज को हिला दिया। आर्य समाज के मंत्री श्री राजेन्द्र कुमार ने समारोह का बड़ी कुशलता से संचालन किया। मुख्य अतिथियों व श्री विनय आर्य ने भी महर्षि दयानन्द के समाज के प्रति योगदान की प्रशंसा की, जिससे आर्य समाज गौरवान्वित है। श्री राजीव चौधरी, वरिष्ठ उप–प्रधान, आर्य समाज ग्रेटर कैलाश–1 ने मुख्य अतिथियों तथा GKRA एवं RWA's को सहयोग के लिए आभार व धन्यवाद दिया। समारोह के पश्चात् कैलाश कॉलोनी मार्किट गोल चक्कर पर '**महर्षि दयानन्द सरस्वती मार्ग**' का नामकरण विधिपूर्वक ईश्वर स्तुति प्रार्थना उपासना मन्त्रों के पश्चात् किया गया। समारोह में सभी के लिए ऋषि लंगर की व्यवस्था की गई थी।

■■

‘महर्षि दयानंद सरस्वती मार्ग’ का नामकरण समारोह की झलकियाँ

दिनांक : 24 जनवरी, 2021 (रविवार)

मंच पर बैठे अतिथिगण बाएं से श्री विनय आर्य, श्रीमती शिखा राय, श्रीमती मीनाक्षी लेखी, श्री विजय लखनपाल एवं श्री अजय सहगल

श्रीमती अमृत पॉल–श्रीमती मीनाक्षी लेखी का पटका द्वारा स्वागत करते हुए

श्री विजय लखनपाल–श्रीमती मीनाक्षी लेखी का स्वागत करते हुए

श्रीमती उषा मरवाह–श्रीमती शिखा राय का पटका द्वारा स्वागत करते हुए

श्रीमती रेनू चौधरी–श्रीमती शिखा राय का बुक्के द्वारा स्वागत करते हुए

श्रीमती किरण वर्मा–श्रीमती मीनाक्षी लेखी का पटका द्वारा स्वागत करते हुए

श्री राजीव भटनागर–श्री अजय सहगल का पटका द्वारा स्वागत करते हुए

श्री राजीव चौधरी–श्री नितिन्जय चौधरी का पटका द्वारा स्वागत करते हुए

‘महर्षि दयानंद सरस्वती मार्ग’ का नामकरण समारोह की झलकियाँ

दिनांक : 24 जनवरी, 2021 (रविवार)

श्रीमती मीनाक्षी लेखी सम्बोधित करते हुए

श्रीमती शिखा राय सम्बोधित करते हुए

मंच का संचालन करते हुए श्री राजेन्द्र कुमार

श्री राजीव चौधरी सम्बोधित करते हुए

श्री नरेन्द्र वाधवा–श्री विनय आर्य का पटका द्वारा सम्मानित करते हुए

महर्षि दयानन्द सरस्वती मार्ग का उद्घाटन करते हुए श्रीमती मीनाक्षी लेखी एवं श्रीमती शिखा राय

महर्षि दयानन्द सरस्वती मार्ग के नामकरण का उद्घाटन करते हुए उपस्थित अतिथिगण

नामकरण समारोह के सभागार में उपस्थित अतिथिगण

अप्रैल 2020 से जनवरी 2021 मास तक प्राप्त दान राशि:—

नाम	राशि	नाम	राशि	नाम	राशि
श्रीमती सुधा भरारा	30,000/–	श्री रंजन कुमार रैलिन	5,000/–	श्री आशीष तलवार	2,000/–
श्री विनय अहूजा	25,000/–	श्रीमती बाला शर्मा	5,000/–	श्रीमती उमा गुप्ता	2,000/–
श्रीमती कृष्णा सेठी	25,000/–	सुश्री आशा रकेजा	5,000/–	श्री अप्रीत गुप्ता	2,000/–
M/s Sarr Freight Corp.	21,000/–	डॉ. दीपक बग्गा	5,000/–	श्री किशोर सिंह	2,000/–
श्री पुनीत विज	12,000/–	श्री एस.बी. भटनागर	5,000/–	श्री विपुल कुमार गुप्ता	2,000/–
श्री अश्वनी सभरवाल	11,000/–	श्रीमती उषा मरवाह	5,000/–	श्रीमती मुक्ता गुप्ता	2,000/–
तनेजा फाउंडेशन C/o श्री आर.के. तनेजा	11,000/–	श्री संत कुमार वशिष्ठ	4,250/–	श्री कुश सागर गुप्ता	2,000/–
		श्री विजय मेहता	4,250/–	श्री सुशील कुमार जौली	1,600/–
श्री एस.आर. वाधवा	11,000/–	राम लुभिया मेलाराम चैरिटेबल ट्रस्ट–श्री आई.पी. वधावन	3,100/–	श्री नरेन्द्र वाधवा	1,550/–
सुश्री आदर्श भसीन	11,000/–			श्रीमती उमा रस्तोगी	1,250/–
श्री सुनील कपूर	11,000/–	श्री रवि भाटिया	3,100/–	श्री विजय भाटिया	1,100/–
M/s एनआरआई हेल्थ एड– श्री कमल गांधी	10,000/–	श्री विनीत भूषण गुप्ता	3,000/–	गुप्त दान	1,100/–
		श्री विनीत खुराना	3,000/–	श्री एवं श्रीमती इंदु धनुका	1,100/–
श्री एस.सी. ढींगरा	10,000/–	श्री सतीश चंद्र गुप्ता	3,000/–	श्री सरवन कुमार अग्रवाल	1,100/–
श्री नरेन्द्र सभरवाल	10,000/–	श्री राजन सप्रा	3,000/–	श्री एम.एस. मक्कर	1,100/–
श्री आत्म प्रकाश रैलिन	10,000/–	M/s एम.एल. अरोड़ा एंड एसोसिएट्स	2,500/–	श्रीमती दीपिका सहाय	1,100/–
श्री नरेंद्र कुमार वर्मा	10,000/–			श्रीमती मुक्ता पॉल	1,100/–
श्रीमती सतीश सहाय	7,300/–	श्रीमती अमृत पॉल	2,500/–	श्रीमती निसब कवलजीत जावा	1,000/–
डॉ. विनोद मलिक	7,200/–	श्री राकेश कला	2,100/–	श्री नितिन खन्ना	1,000/–
श्री विजय ढल	7,100/–	स्व. श्रीमती विमला कपूर	2,100/–	श्री बी. आर. मल्होत्रा	1,000/–
श्री प्रबोध चंद्र गुप्ता	6,000/–	डॉ. सुनीता मलिक	2,100/–	श्री महेन्द्र भल्ला	1,000/–
M/s हिरण्यम एम.राज सन्स	6,000/–	स्व. श्री देवराज कोहली व श्रीमती सीता कोहली	2,100/–	श्री कृष्ण कुमार अग्रवाल	750/–
श्री अनूप बहल	6,000/–			स्वर्गीय अनिल मेहता	560/–
श्री एम.जी. शंकर	6,000/–	श्री राजीव तलवार	2,100/–	श्री राजन सपरा	501/–
श्री एस. के. मुंजाल	5,100/–	श्री निखिल राज अग्रवाल	2,100/–	श्रीमती कपूर	500/–
श्री वीरेंद्र कुमार चड्ढा	5,100/–	श्रीमती पुष्पा मग्गू	2,100/–	श्री हरदीप कपूर	500/–
श्री हर्ष महाजन	5,100/–	श्री देव राज मेलि	2,100/–	श्रीमती कांता मदान	500/–
सुश्री संजना और श्री ध्रुव	5,100/–	डॉ. सोनू अग्रवाल	2,100/–	श्री नरेंद्र घई	500/–
श्री ध्रुव बहल	5,100/–	श्री विमल जैन	2,000/–		
स्व. श्रीमती विमला मक्कर	5,100/–	श्रीमती तनीषा गुप्ता	2,000/–		

पुरोहित द्वारा एकत्रित धनराशि : ❖ आचार्य वीरेन्द्र विक्रम ₹ 1,03,160/–

वैदिक सैन्टर के लिए प्राप्त दान राशि :

❖ श्री राजीव चौधरी ₹ 1,00,000/–
❖ श्रीमती सतीश सहाय ₹ 10,000/–
❖ श्री अशोक चोपड़ा ₹ 50,000/–
❖ श्रीमती अमृत पॉल ₹ 1,610/–

॥ ओ३म् ॥

महर्षि दयानन्द धर्मार्थ चिकित्सालय

New Delhi-110048 • Tel.: 46678389 • Email : samajarya@yahoo.in • Web.: www.aryasamajgk1.org

An ISO 9001:2015 Certified Institution

CONSULTANT'S OPD TIMINGS **UPDATED ON 1st FEB. 2021**

GENERAL & LAPAROSCOPIC SURGERY		
Dr. (Prof.) Vinod Kumar Malik	10:00 am – 11:00 am	Tuesday, Wednesday & Friday
GASTROENTEROLOGY		
Dr. (Col.) S.K. Thakur	12:00 Noon – 01:00 pm	Friday (By appointment)
DIABETES		
Dr. (Lt. Gen.) S.P. Kalra	09:00 am – 11:30 am	Every 3rd Thursday of the month
DENTAL		
Dr. Priya Nagrath	11:00 am – 01:00 pm	Monday to Saturday
Dr. Awantika Singh	09:00 am – 01:00 pm	Monday to Saturday
E.N.T.		
Dr. P.M. Kapoor	09:30 am – 11:00 am	Tuesday, Thursday
EYE		
Dr. Deepa Kapoor	11:00 am – 12:30 pm 11:30 am – 01:00 pm	Monday, Thursday Saturday
Dr. Pooja Mehta	09:00 am – 11:00 am	Tuesday, Friday
SKIN		
Dr. Dharamvir Singh	10:30 am – 11:30 am	Saturday
GENERAL PHYSICIAN		
Dr. Mohan Gandhi	10:00 am – 01:00 pm	Wednesday, Friday
Dr. Abhishek Goyal	09:00 am – 01:00 pm	Saturday
Dr. Poonam Saith	09:00 am – 11:00 am	Tuesday, Thursday
GYNECOLOGY		
Dr. Vimla Ticku	10:00 am – 12:00 pm	Mon. & Wed. (Online)
Dr. Poonam Saith	09:00 am – 11:00 am	Tuesday, Thursday
HOMOEOPATHY		
Dr. Reena Verma	11:00 am – 01:00 pm	Wednesday & Saturday
NEUROTHERAPY		
Mr. Birendra Prasad	09:00 am – 01:00 pm	Monday to Saturday
ORTHOPAEDICS		
Dr. S.S. Yadava	12:00 pm – 01:00 pm	Thursday, Saturday
Dr. Nishit Bhatnagar	12:00 pm – 01:00 pm	Tuesday, Friday
PATHOLOGY		
Dr. Parminder Singh	12:00 Noon - 01:00 pm	Monday to Saturday
Path Lab Tests	09:00 am – 01:00 pm	Monday to Saturday
ULTRA SOUND		
Dr. Pradeep Dutta	08:30 am – 09:00 am	Tuesday, Thursday, Saturday
Digital X-RAY & E.C.G.	09:00 am – 01:00 pm	Monday to Saturday

आर्य समाज लाइब्रेरी के लिए एक लाइब्रेरियन की आवश्यकता है। सभी सदस्यों से अपील है कि जो भी स्वेच्छा (Voluntarily) कुछ समय दे सकते हैं इच्छुक व्यक्ति कृपा कर सम्पर्क करें–श्री विजय लखनपाल, प्रधान (मो. 9899868573) या श्री राजेन्द्र कुमार, मंत्री (9810045198)।